



# अखण्ड भारत संदेश

[www.akhandbharatsandesh.net](http://www.akhandbharatsandesh.net)

चैत्र माह, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 83, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

नगर संस्करण प्रयागराज

रविवार 17 अप्रैल 2022

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेट

पती और तीन अबोध बेटियों का गला काट फांसी पर लटक गया था राहुल, दो पने का मिला सुसाइड नोट

## सामूहिक नरसंहार से दहला प्रयागराज

प्रयागराज

शहर के नवाबगंज थाना अंतर्गत शुक्रवार देर रात एक ही परिवार के 5 लोगों के शव घर में मिले थे। घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र के खागलपुर गांव की है। पती और 3 बेटियों को धारदार हथियार से मौत के घट उत्तर गया है। वहीं, पति का जाल से फांसी पर लटका मिला। पति के शरीर पर हाथयारे के जख्म तो नहीं हैं, लेकिन हाथ और बनियान पर खन के छींटे मिले हैं। दरवाजे पर खन से सना चापड़ मिला है। शुरुआत में 5 लोगों की हत्या की थ्यारी पर छानवन शुरू हुई वहीं, शाम तक एइ पोस्टमार्ट रिपोर्ट में समन आया कि पति ने आत्महत्या की थी मृतकों की शिनाऊर पति राहुल



तिवारी (42), पती प्रीति (38) और तीन बेटी माही, पीहू और पोहू के रूप में हुई हैं। पुलिस को परिस्थितियां देखकर पहले ही शक था कि राहुल ने पहले

पती और 3 बेटियों की हत्या की। इसके बाद खुद फांसी लगाकर जान दे दी। पोस्टमार्ट रिपोर्ट से पुलिस की थ्यारी सही साबित हो रही है। वहीं, मृतक

राहुल की बहन का असोप है कि उसका सुसुराल वालों से काफी विवाद चल रहा है। सुसुराल वालों ने ही हत्या को अंजाम दिया है।

एसएसपी अजय कुमार ने कहा कि घर से दो पने का सुसाइड नोट बरामद हुआ है। नोट में सुसुराल पक्ष पर असोप पक्ष और उनसे संबंधित लोगों के नाम भी लिखे हैं। इस पूरे प्रकरण में मृतक के

बड़े भाई की तहरीर पर चार लोगों को नामजद किया गया है।

जांच के लिए 7 टीमें बनाई गईं एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशान्त कुमार के कहा कि शासन और डीजीपी की तरफ से यही निर्देश मिले हैं कि एडीजी प्रयागराज जोन के देखरेख में मामले की जांच की जाएगी। जांच के लिए एसटीएफ की भी मदद ली जाएगी। एसएसपी अजय कुमार ने कहा कि राहुल ने हत्या का खुद फांसी लगा ली था किसी और ने पांचों की हत्या की है, इन सभी एंगल से पुलिस जांच कर रही है। कुल 7 टीमें तनाश के लिए बनाई गई हैं। एसटीएफ के मुताबिक, पोस्टमार्ट रिपोर्ट के आने के बाद स्थितियां साफ हो जाएंगी।

## उपचुनाव: टीएमसी, राजद, कांग्रेस की बंपर जीत

बिहार में राजद, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और बंगल में टीएम की जीत, भाजपा खाली हाथ रही



नई दिल्ली/कोलकाता/पटना : देश की एक लोकसभा और चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाओं के रिजल्ट आ गए हैं। बंगल की आसनसोल लोकसभा सीट पर टीएमसी के शत्रुघ्न सिन्हा, जबकि बालीगंज विधानसभा सीट पर टीएमसी की ही बाबुल सुप्रियो ने बड़ी जीत हासिल की है। उधर, विहार के बेचांहा विधानसभा सीट पर राजद के अपने पासवान विजयी हुए हैं। बरामार्ट के कोलाहुर नार्थ सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार जयश्री जाधव ने बीजेपी के सत्यजीत कदम को करीब 19,000 वोटों से करारी शिकार की है। छत्तीसगढ़ की खेरागढ़ सीट पर विधानसभा सीट पर पार्टी की यशोदा वर्मा 20 हजार 167 वोटों से जीत गई है। भाजपा खाली हाथ रही।

बंगल में टीएमसी की बंपर जीत:

आसनसोल लोकसभा सीट पर शत्रुघ्न सिन्हा जीती। उन्होंने बीजेपी की अनिमित्र पांच को 2 लाख 64 हजार 913 वोट से हराया। ये



हजार वोटों से करारी शिक्षण दी। ये सीट भी दिवंग 2021 में कोविड-19 से कांग्रेस विधायक चंद्रकांत जाधव के निधन के बाद से खाली हुई थी। इस कारण यहां उपचुनाव हुए। बिहार में राजद का परचम लहराया विहार के बोचांह विधानसभा सीट पर राजद के अपने पासवान विजयी हुए। इन्होंने भाजपा की बेबी कुमारी को 36,653 वोटों से हराया। यह सीट विधायक मुसाफिर पासवान के निधन के बाद खाली हुई थी। इस सीट पर 13 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इनमें महिलाएं थीं।

छत्तीसगढ़ की खेरागढ़ सीट पर कांग्रेस जीती: छत्तीसगढ़ की खेरागढ़ सीट पर कांग्रेस की यशोदा वर्मा ने 20 हजार 167 वोटों से जीत गई है। उन्होंने बीजेपी की केंवा धोप और मारक्षवादी की जीत हुई। कांग्रेस की जयश्री जाधव ने कम्युनिस्ट पार्टी की सायरा शाह को हराया।

यह सीट पर पूर्व विधायक और राज्य के मंत्री रहे सुन्दर मुख्योंके निधन के बाद खाली हुई थी। सुप्रियो बीजेपी के बाद खाली हुई थी।

बालीगंज विधानसभा सीट से बाबुल सुप्रियो

महाराष्ट्र में कांग्रेस जीती: महाराष्ट्र की 20 हजार 228 वोटों से जीत गई है। उन्होंने

महाराष्ट्र के कांग्रेस की यशोदा वर्मा ने 20 हजार 167 वोटों से जीत हासिल की है। यह सीट पर 13 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इनमें महिलाएं थीं।

छत्तीसगढ़ की खेरागढ़ सीट पर कांग्रेस

जीती: छत्तीसगढ़ की खेरागढ़ सीट पर कांग्रेस की यशोदा वर्मा ने 20 हजार 167 वोटों से जीत गई है। यह सीट पर 13 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इनमें महिलाएं थीं।

यह सीट पर पूर्व विधायक और राज्य के मंत्री रहे सुन्दर मुख्योंके निधन के बाद खाली हुई थी।

बालीगंज विधानसभा सीट से बाबुल सुप्रियो

महाराष्ट्र के कांग्रेस की यशोदा वर्मा ने 20 हजार 167 वोटों से जीत गई है। यह सीट पर 13 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इनमें महिलाएं थीं।

यह सीट पर पूर्व विधायक और राज्य के मंत्री रहे सुन्दर मुख्योंके निधन के बाद खाली हुई थी।

बालीगंज विधानसभा सीट से बाबुल सुप्रियो

महाराष्ट्र के कांग्रेस की यशोदा वर्मा ने 20 हजार 167 वोटों से जीत गई है। यह सीट पर 13 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इनमें महिलाएं थीं।

यह सीट पर पूर्व विधायक और राज्य के मंत्री रहे सुन्दर मुख्योंके निधन के बाद खाली हुई थी।

बालीगंज विधानसभा सीट से बाबुल सुप्रियो

महाराष्ट्र के कांग्रेस की यशोदा वर्मा ने 20 हजार 167 वोटों से जीत गई है। यह सीट पर 13 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इनमें महिलाएं थीं।

यह सीट पर पूर्व विधायक और राज्य के मंत्री रहे सुन्दर मुख्योंके निधन के बाद खाली हुई थी।

बालीगंज विधानसभा सीट से बाबुल सुप्रियो

महाराष्ट्र के कांग्रेस की यशोदा वर्मा ने 20 हजार 167 वोटों से जीत गई है। यह सीट पर 13 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इनमें महिलाएं थीं।

यह सीट पर पूर्व विधायक और राज्य के मंत्री रहे सुन्दर मुख्योंके निधन के बाद खाली हुई थी।

बालीगंज विधानसभा सीट से बाबुल सुप्रियो

महाराष्ट्र के कांग्रेस की यशोदा वर्मा ने 20 हजार 167 वोटों से जीत गई है। यह सीट पर 13 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इनमें महिलाएं थीं।

यह सीट पर पूर्व विधायक और राज्य के मंत्री रहे सुन्दर मुख्योंके निधन के बाद खाली हुई थी।

बालीगंज विधानसभा सीट से बाबुल सुप्रियो

महाराष्ट्र के कांग्रेस की यशोदा वर्मा ने 20 हजार 167 वोटों से जीत गई है। यह सीट पर 13 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इनमें महिलाएं थीं।

यह सीट पर पूर्व विधायक और राज्य के मंत्री रहे सुन्दर मुख्योंके निधन के बाद खाली हुई थी।

बालीगंज विधानसभा सीट से बाबुल सुप्रियो

महाराष्ट्र के कांग्रेस की यशोदा वर्मा ने 20 हजार 167 वोटों से जीत गई है। यह सीट पर 13 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इनमें महिलाएं थीं।

यह सीट पर पूर्व विधायक और राज्य के मंत्री रहे सुन्दर मुख्योंके निधन के बाद खाली हुई थी।

बालीगंज विधानसभा सीट से बाबुल सुप्रियो

महाराष्ट्र के कांग्रेस की यशोदा वर्मा ने 20 हजार 167 वोटों से जीत गई है। यह सीट पर 13 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इनमें महिलाएं थीं।

यह सीट पर पूर्व विधायक और राज्य के मंत्री रहे सुन्दर मुख





## प्रतापगढ़ संदेश

नहाने गए दो दोस्तों की सई नदी में  
झूबने से मौत, परिजनों में मचा कोहराम

सई नदी में झूबे युवकों का शव ढुंडवाती पुलिस।

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। नदी में नहाने गए तीन दोस्त नहाने वक्त नदी में झूबने लगे। एक दोस्त को लोगों ने किसी तरह बचा लिया लेकिन दो दोस्त की नदी में झूबने से दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों को सूचना

मिलने पर कोहराम मच गया।

कंधई थाना क्षेत्र के चालाकपुर कुमियान गांव निवासी स्वाले (17) वर्ष पुरुष मोहम्मद इश्य, गुफरान (18) वर्ष पुत्र मुस्तकीम, सलीम (19) वर्ष पुत्र शब्दीर अहमद तीनों दोस्त थे। शनिवार की दोपहर घर

से एक किलोमीटर दूर सई नदी के किनारे चालाकपुर घाट पर स्थान करने गए थे। स्थान करने वक्त खाले झूबने लगा झूबते हुए देखकर हल्ला गुफरा आसपास के लोग भृंति के खिलाफ उत्तरी ओर सलीम उत्तर बचाने के लिए आगे बढ़े। स्वाले को झूबने से बचाने में गुफरान और सलीम

30 फीट गहरे पानी में चले गए।

आसपास के लोग झूंड पड़े, लेकिन

किनारे के लोग झूंडे हुए देखकर

हल्ला गुफरा आसपास के लोग भृंति

पर लोग झूंचे गए। घटना की जानकारी

परिजनों को मिलने पर गांव के साथ-

साथ आसपास के लोग इकट्ठा हो

गए। घटना की जानकारी फायर

बिगड़े को दी गई और थाना प्रभारी

कंधई संबंधित सिंहें को दी गई। थारी

फार्स के साथ फायर बिगड़ और

पुलिस पहुंचने पर एक दर्जन से

अधिक स्थानीय गोताखोरों द्वारा

सलीम और गुफरान को ढंगने में

लग गए। दो घंटे के बाद गुफरान

जानकारी फायर

लेकिन तब तक आग पर काबू पा

लिया गया था।

पट्टी तहसील क्षेत्र के सैकाफाद

बाजार के समीप रुपनपुर गोपालपुर

में हरिश्चन्द्र तिवारी के खेत में दोपहर

12 बजे अज्ञात कारणों से आग

लग गई। आग की लप्तें उठनी शुरू

हुई तो शोर-शराबा करने पर

इसी क्रम में शनिवार को शहर के

समाज से वीं, शिक्षक,

बिजनेसमें उनसे और उनके

परिजनों से मुलाकात की। संभव

मद क भरोसा दिलाया। जल्द

स्वस्थ होने की कामना की।

उदय भानु सिंह, अज्ञानी के सरवानी,

डाक्टर भीके शर्मा,

शरद के सरवानी सहित कई

लोग मौजूद थे। बता दें कि

डाक्टर चक्रवर्ती शुक्राराज को

जेल रोड रेलवे क्रॉसिंग पर

मालगाड़ी से टेकरा गए थे।

उनके पैर और शरीर के कई

हिस्से में चोट आई हैं।

पुराणा राज के एक निजी

अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना से उनके

चाहने वाले कोई दुखी हैं।

## अमृतधारियों को सिरोपा देकर किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा व गुरुद्वारा श्री गुरुनानक शाही बाबानंगंज के संयुक्त प्रयास से एक विशाल अमृत संचार का आयोजन गुरुद्वारा सिंह सभा पंजाबी कालोनी प्रतापगढ़ में किया गया, जिसमें सिरोपा पथ की सर्वोच्च संस्था श्री अकाल तख्त साहिब अमृतसर की धर्म प्रचार कमेटी से मिहंग साहिब (पंच घार) की टीम 28 स्तरीय बाबानंगंज वार्ड की टीम पहुंची तब तक ग्रामियों ने हुई तो शोर-शराबा करने पर

प्रतापगढ़ के अमृतधारियों ने अमृत संचार को आयोजित किया।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

हुए सारी रहेत मर्यादा से अप सभी गुरु वाले बन गए।

(नियमाली) बताई और आज

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

गुरुद्वारा सिंह सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।

ग्रामीण सभा में अमृत संचार मौजूद स्त्री, पुरुष व बच्चे।



# साम्प्रदायिक हिंसा की आंच

निमर्ल रानी

# कोरोना महामारी : बरतनी होगी सावधानी

कोरोना संक्रमण ने पूरे विश्व में पिछले दो ढाई वर्षों से तहलका मचा कर रखा है। लाखों लोगों को मौत के मुंह में धकेल दिया है। करोना संक्रमण अत्यंत खतरनाक है, वह अभी तक पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। चीन में अभी भी लोगों को संक्रमित कर लोगों की जान का खतरा बना हुआ है। इसी तरह अन्य कई देशों में भी अभी भी करोना का संक्रमण बुरी तरह व्याप्त है। भारत में भी यह पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है अभी भी करोना के संक्रमित मरीज विस्तृत जांच करने पर पाए जा रहे हैं, मेहरबानी इतनी है कि इससे जान का नुकसान लगभग नगण्य है, पर खतरा जरूर है, हमें सावधानी जरूर रखनी होगी और कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने फिर कहा है कि वे करोना वायरस के स्वरूपों के बंशनुगत नए नए रूपों पर नजर रख रहा है इन स्वरूपों के दो उप स्वरूप भी सामने आए हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली से बचकर निकलने की क्षमता के साथ उत्परिवर्तन भी होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की सापाहिक महामारी विज्ञान अपेटेट में कहा गया है कि ओमी क्रोन का नया स्वरूप दुनिया में संक्रमण का प्रमुख कारण बन सकता है। एजेंसियों के अनुसार यह स्वरूप<sup>2,3</sup> के साथ-साथ <sup>4</sup> तथा <sup>5</sup> जैसे ओमिक्रोन के चिंता जनक स्वरूपों के तहत कई अन्य स्वरूपों के रूप में सामने आ सकता है। इस नए स्वरूप में<sup>1</sup> ए तथा बी ए टू का मिलाजुला एक्स स्वरूप भी शामिल है, जो मानव जीवन के लिए अति खतरनाक होने की संभावना रखता है। यदि हम भीड़ में लगातार बिना मास्क पहने और पर्याप्त सामाजिक दूरी रखने और वैक्सीन लगावने से परहेज करेंगे तो हम भी इसके संभावित शिकार हो सकते हैं। कुछ देशों में<sup>4</sup> 4 तथा<sup>5</sup> 5 के स्वरूपों का मिलाजुला रूप भी सामने आ रहा है क्योंकि यह बड़े म्युटेंट हैं, इससे शरीर में अनेक लक्षण लेकर आ रहा है। यह पूर्व के लक्षणों से थोड़ा अलग होकर मानव जीवन के लिए खतरा बन सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैज्ञानिकों ने तथा शोधकर्ताओं ने कहा कि सारे स्वरूप मिलजुल कर एक नया स्वरूप बनाने में सक्षम होते हैं इस पर लगातार शोध का कार्य किया जा रहा है। एवं मानव जीवन को बचाने की प्रक्रिया में यह महत्वपूर्ण शोध भी शामिल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन चीन के साथ भारत तथा मलेशिया, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा देशों के उपलब्ध डाटा बेस निकाल कर उसका अध्ययन जारी रखे हुये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन में भारत, चीन, बांग्लादेश, मलेशिया, अमेरिका, ब्रिटेन, इजरायल तथा अन्य ऐसे देशों में चेतावनी जारी की है जहां अभी भी ओमिक्रोन संक्रमण के विपण शुरू तरह खत्म ना होकर अभी भी जिंदा है। जिससे इसके बड़े समुदायों में फैलने की गंभीर आशंका है। लाजमी है कि भारत जैसे बड़ी जनसंख्या जहां शिक्षित अशिक्षित दोनों लोग निवास करते हैं एवं चिकित्सा सुविधा युरोपीय देशों की तुलना में अपेक्षाकृत कम है। ज्यादा संवेदनशील दैश माने जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सार्स-सी ओ वी2 का उत्परिवर्तन की प्रक्रिया के तहत जारी है। दुनिया में यह तेज गति से फैलने के कारण नए स्वरूप के रूप में सामने आ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इस वर्ष मई तथा जून के माह में इस वैरीअंट के फैलने की संभावना बढ़ रही है।

पटना के महावीर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष आचार्य किशोर के अनुसार इश्तियाक अहमद खान पूर्वी चंपारण के रहने वाले हैं तथा वर्तमान में गुवाहाटी में कारोबार कर रहे हैं। इश्तियाक अहमद खान ने ही 2.5 करोड़ रुपये की जमीन विराट रामायण मंदिर निर्माण हेतु दान की है। योजनानुसार यह विराट रामायण मंदिर विश्व के प्रसिद्ध 12 वीं सदी के अंगकोरवाट के मंदिर से भी विराट होगा तथा इसपर लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत आएगी।  
मुजफ्फरपुर जिले के मुहम्मदपुर गांव में कुछ उपद्रवियों ने राम नवमी के दिन एक मस्जिद पर भगवा झँडा लहराकर अपनी भी 'सभ्यता' का परिचय दिया

पिछले एक पखाड़े के भीतर देश के अनेक राज्यों से साम्प्रदायिक हिंसा की वारदातों के अफसोसनाक समाचार सुनने को मिले। निश्चित रूप से दुनिया का कोई भी सभ्य समाज हिंसा, लूट, बस्ती में आगजनी करने, हत्या, पत्थरबाजी, गोलीबारी, किसी समुदाय के धर्मस्थल पर किसी अन्य समुदाय से संबंधित धब्ज फहराने, लाऊड स्पीकर पर समुदाय विशेष को गलियां देने, उन्हें धमकाने और दहशत फैलाने आदि दुष्कृतियों को सही या जायज नहीं ठहरा सकता। और यदि कोई वर्ग ऐसा है जिसे इस्तरह के दो समुदायों को विभाजित करने वाले हालात पर गर्व अथवा खुशी है या उसे इन हालात से किसी तरह का लाभ मिलता है तो निःसंदेह वह वर्ग न केवल असभ्य है बल्कि वह देश और मानवता का दुश्मन भी है चाहे वह किसी भी धर्म अथवा समुदाय का क्यों न हो। चाँकी सत्ता के नुमाइदे प्रायः देश के लोगों को यह सलाह देते हैं कि उन्हें 'आपदा में भी अवसर' की तलाश करनी चाहिए और मंहगाई या बेरोजगारी पर हाय तौबा करने के बजाये अपनी सोच नकारात्मक नहीं बल्कि सकारात्मक रखनी चाहिये इसीलिये बाबूजूद इसके कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में रामनवमी के जुलूसों के दौरान हिंसक वारदातों की जितनी खबरें इसबार सुनने को मिलीं, पहले कभी नहीं सुनी गयीं। परन्तु इन साम्प्रदायिक हिंसक वारदातों के ठीक विपरीत इसी राम नवमी में देश के अनेक भागों से साम्प्रदायिक सद्ग्राव की भी अनेक अनूठी खबरें सुनाई दीं हैं। यह और बात है कि गोदी मीडिया को हिंसा व आगजनी की चेपेट में आई इसारी बस्तियों में उठती आग की लपटें और हवा में तलवारें लहराते और दहशत फैलाने वाले धार्मिक उद्घोष व चीख पुकार आदि तो उनकी अपनी टी आर पी बढ़ाने के लिये दिखाई व सुनाई दिये। परन्तु देश को सद्ग्राव का सन्देश देने वाली खबरें नजर नहीं आईं।



परन्तु अभी भी इसी देश में रोजाना कहीं न कहीं से ऐसी खबरें सुनाई देती हैं जिनसे यह उम्मीद बंधती है कि देश पर छाये हिंसा व नफरत के काले बादल आज नहीं तो कल जरूर छठेंगे। उदाहरण तौर पर झारखण्ड की राजधानी रांची में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने रामनवमी के जुलूस का शानदार स्वागत किया। इस अवसर पर मुस्लिम भाइयों ने राम नवमी जुलूस में शामिल अपने हिन्दू भाइयों को मिठाई, गुड़, चना, फल आदि खिलाया और शीतल पेय भी पिलाया। इतना ही नहीं बल्कि मुस्लिम समुदाय से संबंधित कई संस्थाओं के पदाधिकारियों ने शोभायात्रा से जुड़े विशिष्ट हिन्दू पदाधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेट किया तथा उन्हें पगड़ी बाध कर सम्मानित किया। प्राप्त समाचारों के अनुसार रांची की सेंट्रल मुहर्रम कमेटी, रांची पल्लिक स्कूल तथा इमाम बख्श अखाड़ा सहित अनेक मुस्लिम संस्थाओं, मदरसों व स्कूलों ने जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत किया। दोनों समुदाय के लोग एक-दूसरे से गले मिले एक दूसरे को मिठाइया खिलाईं। ऐसा ही समाचार झारखण्ड के ही हजारीबाग से भी प्राप्त हुआ है। बताया जाता है कि हजारी बाग जिले की रामनवमी की शोभा यात्रा अपनी भव्यता को लेकर

उनका स्वागत करने तथा मिठाइयां व  
शरबत आदि वितरित करने के समाचार  
प्राप्त हुये हैं। देश के कई जगहों से  
जहाँ ऐसे समाचार पहले भी आये और  
इस बार की रामनवमी के अवसर पर  
भी सुने गये कि मस्जिद पर कुछ धर्म  
विरोधी असामाजिक तत्वों द्वारा जबरन  
भगवा झांडा लहराया गया। वहाँ केंद्र  
शासित प्रदेश दमन दीव से मिलने वाली  
खबर शांति के पक्षधर भारतवासियों में  
बेशक "सकारात्मकता" का संचार  
करती है। दमन दीव के खारीवाड़-  
मिटनावड़ में स्थित राम मंदिर के  
शिखर पर मुस्लिम समाज के  
समाजसेवी शौकत मिठानी ने भगवा  
ध्वज अपने हाथों से स्थापित किया।  
और रामनवमी के जुलूस में भगवान  
राम की पालकी अपने कन्धों पर<sup>1</sup>  
उठाकर प्रेम, सद्ब्राव व भाईचारे का  
सुबूत पेश किया। बताया जाता है कि  
यह राम मंदिर शौकत मिठानी ने अपने  
पैसों से नवाकर स्थानीय हेन्दू समाज  
को भेट किया है। अभी कुछ दिनों पूर्व  
ही बिहार राज्य के चंपारण से दुनिया  
का सबसे बड़ा विराट रामायण मंदिर  
बनाने की तैयारियों की खबर सामने  
आई थी। बिहार के एक मुस्लिम व्यक्ति  
ने राज्य के पूर्वी चंपारण जिले के  
कैथवलिया इलाके में बनने वाले इस  
मंदिर हेतु 2.5 करोड़ रुपये मूल्य की  
अपनी निजी जमीन दान में दी है। पटना  
के महावीर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष  
आचार्य किशोर के अनुसार इश्तियाक  
अहमद खान पूर्वी चंपारण के रहने  
वाले हैं तथा वर्तमान में गुवाहाटी में  
कारोबार कर रहे हैं। इश्तियाक अहमद  
खान ने ही 2.5 करोड़ रुपये की जमीन  
विराट रामायण मंदिर निर्माण हेतु दान  
की है। योजनानुसार यह विराट रामायण  
मंदिर विश्व के प्रसिद्ध 12 वीं सदी के  
अंगकोरवाट के मंदिर से भी विराट  
होगा तथा इसपर लगभग 500 करोड़  
रुपये की लागत आएगी। इसी बिहार  
के मुजफ्फरपुर जिले के मुहम्मदपुर  
गांव में कुछ उपद्रवियों ने राम नवमी के  
दिन एक मस्जिद पर भगवा झांडा  
लहराकर अपनी भी 'सभ्यता' का  
परिचय दिया था। कहना गलत नहीं  
होगा कि धर्म वहाँ वहाँ है जहाँ प्रेम व  
सद्ब्राव कायम है और जहाँ भी हिंसा  
वैमनस्य है वहाँ धर्म नहीं बल्कि अधर्म  
और पाखण्ड का ही साम्राज्य है।

## अनुच्छेद 370 के पक्ष में नहीं थे डॉ भीमराव

किशन भावनानी

जबकि मीडिया के अनुसार वहां के स्थानीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड ने इस तथ्य को गलत बताकर अपनी सफाई में डेसीबल के असली आंकड़े पेश किए हैं। साथियों बात अगर हम ध्वनि प्रदूषण को परिभाषित करने की करें तो, ध्वनि प्रदूषण को अप्रिय और अवाञ्छित ध्वनि को शोर के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। ध्वनि प्रदूषण, प्रदूषण का एक भौतिक रूप है, यह वायु, मृदा और जल जैसी जीवन रक्षक प्रणालियों के लिए प्रत्यक्ष रूप से हानिकारक नहीं होता है अपितु इसका प्रभाव ग्रहणकर्ता पर पड़ता है, साथ ही मानव इससे प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होता है। साथियों बात अगर हम ध्वनि प्रदूषण से मानवीय शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य को हानि पहुंचने की करें तो, ध्वनिक प्रदूषण चिड़िचिड़ापन एवं आक्रामकता के अतिरिक्त उच्च रक्तचाप, तनाव, कर्णश्वेद, श्रवण शक्ति का हास, नींद में गड़बड़ी और अन्य हानिकारक प्रभाव पैदा कर सकता है। इसके अलावा तनाव और उच्च रक्तचाप स्वास्थ्य समस्याओं के प्रमुख हैं, जबकि कर्णश्वेद सृति खोना, गंभीर अवसाद और कई बार असमंजस के दौरे पैदा कर

सकता है। साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में मानवीय सोच की करें तो ध्वनि प्रदूषण से बचने, शांति की तलाश में हम अक्सर ऐसी जगहों पर जाना पसंद करते हैं जहां कम शोर हो, ट्रैफिक की आवाज कम हो, कम भीड़-भाड़ हो और जहां हम एकांत में कुछ पल शोर शारबे से दूर बिता सकें। लेकिन शोर और ध्वनि प्रदूषण साथे की तरह हमारा पीछा करते हैं, हमारे देश में हालात ये हैं कि जश्न और आस्था के नाम पर शोर मचाने वाले लोग वक्त की परवाह नहीं करते, सड़कों पर बिना बज हप्पेशर हॉर्न बजाते हैं और पार्टी, शादी और प्रचार के नाम पर शांति पसंद लोगों की जिंदगी में शोर का जहर घोलते हैं। साथियों बात अगर हम ध्वनि प्रदूषण संबंधी कानूनों और नियमों की करें तो, भारत में ध्वनि प्रदूषण से संबंधित कानून ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के तहत ध्वनि प्रदूषण को अलग से नियंत्रित किया जाता है। इससे हपले ध्वनि प्रदूषण और इसके स्रोतों को बायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत नियंत्रित किया जाता था। इसके अतिरिक्त पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के तहत मोटो वाहनों, एयर-कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर, डीजल जनरेटर और कुछ अन्य प्रकार के निर्माण उपकरणों के लिये ध्वनि मानव निर्धारित किये गए हैं।

बायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत उद्योगों से होने वाले शोर व राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/प्रदूषण नियंत्रण समितियों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। वर्ष 2000 में केंद्र सरकार ने ध्वनि प्रदूषण को लेकर कुछ नियम बनाए थे जिनमें मुताबिक, रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच लाउडस्पीकर्स ऊचे म्यूजिक, और इम के इस्तेमाल गैरकानूनी है। रात 1 बजे से सुबह 6 बजे के बीच लाउडस्पीकर बजाना सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन। रात 1 बजे से सुबह 6 बजे के बीच खुले जगहों पर लाउडस्पीकर या म्यूजिक बजाना एक दंडनीय अपराध है। साइलेंस जोन्स जैसे अस्पताल, नरिंग होम, शैक्षणिक संस्थान और अदालतों के 10 मीटर के दायरे में किसी भी वज्र से शोर 50 डेसिबल से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

कृते

रामविलास जांगिड़

कई कुत्ते मेरे पांछे धूम रहे हैं और आजकल वे मुझे पालने की फिराक में हैं। बहुत सारे कुत्तों को मैंने देखा है, जिन्होंने बढ़िया से बढ़िया मालिक पाल रखे हैं। हर एक प्रतिष्ठित कुत्ते के पास अपने ढंग का एक खास पालतू मालिक है। कुत्ते अपने-अपने मालिकों को सुबह-शाम सेर कराने ले जाते हैं। इनील किनारे, गार्डन घास में, कुत्ते सेर कराते हैं अपने मालिकों को! और साथ ही उनको कुछ खिलाते-पिलाते कुत्ता मालिकों का एक विशिष्ट दल भी दिखा है। अंतरराष्ट्रीय कुत्ता आयोग में इनकी मीटिंगें देख कर मुझे लगता है कि कोई भला कुत्ता मुझे भी खरीद कर पाल ही लेगा। इन कुत्तों के ऊंचे ओहदे हैं। कुछ मंत्री बने हुए हैं और कुछ अफसर! जब अच्छे-खासे नेता-मंत्री तक कुत्तों के हाथों पाले जाते हैं। खेल सहित खिलाड़ी भी कुत्तागर्दी में ढाले जाते हैं। कवि और लेखक भी पालतू बन गए हैं। नीति, नियम, संस्कृति, कायदे, सारे फालतू बन गए हैं। कला और संस्कृति भी पाल ली गई है। तब मैं इस निर्णय पर पहुंचा हूं कि कोई ढंग का कुत्ता आए और मुझे भी पाल ले। जब बड़े-बड़े इंसानों के गले में पट्टे बधे देखता हूं और उन्हें कुत्ते अपने हाथ में रस्सी पकड़ कर चलते दिखाई देते हैं, तो मेरा मन उछल रहा है कि अब मैं भी किसी न किसी कुत्ते का पालतू बन ही

## अभिव्यक्ति

फुत जा आए मुझ खराद ल जा  
आजकल  
बहुत सरे  
बढ़िया से  
क प्रतिष्ठित  
बास पालतू  
लिकों को  
हैं। झील  
करते हैं  
उनको कुछ  
का एक

फालतू दिमाग से बोझिल न  
रहूं। चाटूं और पूछ खिलाऊं!  
बस इसी मंत्र का फूल  
खिलाऊं! पूछ हिलाने व चरण  
चाटने के बदले गाड़ी, कोठी,  
नौकर, चाकर के साथ प्यारी  
सी मालकिन! वाह

तैयार हूं  
फिर मुझ  
चमगाद  
के लिए  
वाले पें  
खरीदने  
कब, कैम  
पार्टी क  
किसका।  
जाऊं;  
लुभावने

फालतू दिमाग से बोझिल न  
रहूं। चाटूं और पूछ खिलाऊं!  
बस इसी मंत्र का फूल  
खिलाऊं! पूछ हिलाने व चरण  
चाटने के बदले गाड़ी, कोटी,  
नौकर, चाकर के साथ प्यारी  
सी मालकिन! वाह

जाऊं। अर्थात कुत्ते को अपना मालिक बढ़ा ही लूँ। कुत्ता मुझे पालेगा तो बड़ा अच्छा रहेगा। वह मुझे नदी किनारे धूमाने ले जाएगा। मुझे सैर कराएगा। किसी शायिंग मॉल में ले जावा द्वेरा सारे गिफ्ट दिलाएगा। मुझे ढंग से पेश करवाने ले जाएगा। ऐसे कुत्ते की मुझे तलहौ।

ऐसे अशिष्ट-वान शिष्ट कुत्ते किसी सरकार का वार्यालय में होंगे या फिर किसी सियासी पक्ष के दलदल में! भारत में होंगे या अमेरिका में या फिर लंदन में! लंदन की टेम्प नदी किनारे धूमाने का मजा ही कुछ और है! सुन सी मुलायम गोरी कुतिया आएगी और मुखीरद कर ले जाएगी। मुझे नरम-नरम हाथ से सहलाएगी। क्या हसीन खबाब है! हे कुभाइयो! आप जल्दी आ जाइए। मैं बिकने

तैयार हूँ। कल को कोई गधा खरीद लेगा, तो फिर मुझे कुछ मत कहना। पिछवाड़े का एक चमगादड़ भी उल्टा लटक कर मुझे खरीदने के लिए तैयार बैठा है। संसद भवन के पीपल वाले पेड़ पर बैठे उल्लू ने मुझे पालने-खरीदने का आँफर दे दिया है। मैं पता नहीं कब, कैसे, किसके हाथों बिक जाऊँ; किस पार्टी का पट्टा गले में लटकाऊँ; पता नहीं कब किसका हो जाऊँ; जाने किस दलदल में खो जाऊँ; ये खुद मुझे मालूम नहीं हैं। बड़े लुभावने आँफर आ रहे हैं मेरे सामने! चारों ओर बिके हुए लोगों को देखता हूँ, तब मैं अनविका कैसे रह सकता हूँ? किसी के गले में कौन सी पार्टी का पट्टा! किसी की पूँछ में कौन सी पार्टी का झांडा! कुछ कहा नहीं जा सकता! बढ़िया होगा कि मुझे कोई खरीद ले। मुझे एक अच्छा-खासा पट्टा पहना दे, ताकि मैं उसकी परिक्रमा करते हुए, उसके चरणों को चाटता-चूमता रहूँ। मालिक के रात कहने पर दिन को रात कहूँ। मालिक की बातों में ही बहूं।

फालतू दिमाग से बोझिल न रहूँ। चाठूं और पूँछ खिलाऊँ! बस इसी मत्र का फूल खिलाऊँ! पूँछ हिलाने व चरण चाटने के बदले गाड़ी, कोठी, नौकर, चाकर के साथ प्यारी सी मालकिन! वाह! जल्दी आ जाइए कुत्ते भाई! आइए और मुझे खरीद कर ले जाइए!

## **ममता बनर्जी का विवाह: जेंडर को लेकर असंवेदनशीलता**

ललित

पश्चिम बंगाल के नादिया में हुड़ी  
बलात्कार की घटना इन दिनों सुर्खियों में  
है। नादिया में एक 14 साल की  
नावालिंग लड़की जो खून से लथपथ  
सड़क पर मिली, जिसे पुलिस ने नहीं  
बल्कि किसी और ने घर पहुंचाया और  
बाद में उसकी मौत हो गई। मामला  
प्रकाश में आने के बाद इस पर खूब हो-  
हल्ला मचा। लेकिन इन सबके बीच  
पश्चिम बंगाल की महिला मुख्यमंत्री  
ममता बनर्जी का इस मामले में आया  
बयान सभ्य समाज की गर्दन झुका देता  
है। ममता बनर्जी का सार्वजनिक बयान  
निंदीय है और महिला होने के नाते  
शर्मनाक भी है। यह बंगाल के नादिया  
जिले का हादसा है। कुछ लोग इसे  
सामूहिक बलात्कार कह रहे हैं  
मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक मंच से कहा था  
कि रेप हुआ या लव अफेयर के कारण

लड़की गर्भवती हुई? मैं एक कानून रिलेशनशिप में जाने से कैसे रोक सकता हूं? मुझे जो बातया गया, वह अफेयर था! मुख्यमंत्री बिना जांच निष्कर्ष पर पहुँच गई कि वह बत्त नहीं, लव अफेयर था! लेकिन उसकी भूल गई कि अफेयर के दौरान भी उसकी कोई गलती नहीं थी। उसकी प्रमेण्ट कर देना रेप की श्रेणी में आएगा। यह भारतीय कानून में है कि सीएम ममता ये भी भूल गई कि रेप के बाद मौत हो गई वो नहीं बच्ची थी मात्र 14 साल...। ममता बयान पर 2012 में सामिहिक और हत्या की पीड़िता निर्भया को जवाब दिया है। निर्भया की मां ने कि अगर ममता बनर्जी असंवेदनशील हैं तो फिर उन्हें मुक्ति के पद पर रहने का कोई हक नहीं। निर्भया की मां ने कहा कि, वह पद के लायक नहीं हैं, अगर वह

पीड़िता के बारे में इस प्रकार का बयान देती हैं। निर्भया की माँ ने कहा कि, शउगर एक महिला होते हुए भी वह इस प्रकार का बयान देती हैं तो फिर यह उनके पद को शोभा नहीं देता है, जिस पर वह बैठी हैं। बलात्कार को लेकर ओछी बात हो या महिला विरोधी बयान, महिलाओं पर अभद्र टिप्पण्यां करने वाले नेताओं में हर पार्टी के लोग शमिल हैं और महिलाओं पर विवादित बयानों की ये फेहरिस्त लंबी है.. मसलन मुलायम सिंह का बलात्कार पर बयान कि श्लड़कों से गलती हो जाती है और इसके लिए उन्हें मौत की सजा नहीं देना चाहिए कभी-कभी फंसाने के लिए भी लड़कों पर ऐसे आरोप लगा दिए जाते हैं। या सांदर साक्षी महाराज की टिप्पणी कि हिंदू महिलाओं को अपने धर्म की रक्षा करने के लिए कम से कम चार बच्चे पैदा करने चाहिए। इससे पहले मुलायम की तरह बिहार व चेहरा और वर्तमान शरद यादव भी अरह चुके हैं। उन्होंने वोट की इज्जत अपने से ज्यादा बड़ी हो इज्जत गई तो सिर्फ़ की इज्जत जाएँ। एक बार बिक गया इज्जत चली जाएँ। चिरंजीत चक्रवर्ती आपत्तिजनक बयान एक बार कहा था, तक लड़कियां भी स्कर्ट दिन पर दिन बीते साल कर्नाटक स्थीकर और कांगुली कुमार का महिला बयान शायद ही कुमार ने सदन में

से कहा था कि जब बलात्कार होता है, तो लेटो और मजे करो। इसके ज्यादा शर्म की बात यह थी कि रमेश कुमार यह बोल रहे थे तब सभी भी करवाई के बजाय हंसते नज़र आये। ऐसे बयानों के बावजूद अब राजनेता हल्की फुलकी फटकार वेंग बच निकलते हैं। ये बयान महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते आते हैं तो कभी बलात्कार जैसे अपराध को मामूली बताने की कोशिश और साथ ही ये संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के आपत्तिजनक बयान देना सामान्य है। हालांकि ये बात आम और छोटी कहीं ऊपर एक महिला के अस्तित्व जुड़ी हुई है। जेंडर को लेकर राजनेता ने इस तरह की असंवेदनशीलता देश में कुछ भी बदलने की उम्मीद की जा सकती।

तब अखंड भारत, अब आर्यवर्त

डॉ. वेदप्रताप वैदिक  
य स्वयंसेवक संघ के सा

राष्ट्रीय स्वयसवक सघ के सरसघचालन मोहन भागवत ने एक ऐसा महत्वपूर्ण मुहर हरिद्वार के एक समारोह में उठा दिया। आजकल कोई जिसका नाम भी नहीं लेता न तो कोई राजनीतिक दल, न कोई सरकार और न ही कोई नेता अखंड भारत की बात करता है। मोहनजी का कहना है कि अखंड भारत का यह स्वयन अगले 15 साल में पूरा हो सकता है। ऐसा हो जाए तो क्या कहने जो काम पिछले 75 साल में नहीं हुआ, वे सरकारों और नेताओं के भरोसे अगले 15 साल में कैसे हो सकता है? सबसे पहली बात तो यह है कि नेताओं को इस मुद्दे पर समझ होनी चाहिए। दूसरी बात यह है कि उनमें इसे ठोस रूप देने की इच्छा शक्ति होनी चाहिए। मेरी विनम्र राय है कि यह काम सरकारों से कहीं बेहतर वे गैरसरकारी संस्थाएं कर सकती हैं, जो सर्वसमावेशी हों।

1945-50 के दिनों में गुरु गोलवलकर अखंड भारत और डॉ. राममोहर लोहिं

ने भारत-पाक एका का नारा दिया था। उस समय के लिए ये दोनों नारे ठीक थे लेकिन आज के दिन इन दोनों नारों के क्षेत्र को बहुत फैलाने की जरूरत है। ये दोनों नारे उस समय के अंग्रेजों के भारत के बारे में थे लेकिन 50-55 साल पहले जब 15-20 पड़ोसी देशों में मुझे जाने और रहने को मिला तो मुझे लगा कि हमें महर्षि दयानंद के सपनों का आर्यावर्त खड़ा करना चाहिए। इस आर्यावर्त की सीमाएं अराकान (स्यामर) से खुरासान (ईरान) और त्रिविष्टुप (तिब्बत) से मालादीव तक होनी चाहिए। इनमें मध्य एशिया के पांच गणतंत्रों और मारिशस को जोड़ लें तो यह 16 देशों का विशाल संगठन बन सकता है। बाद में इसमें थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात को भी जोड़ा जा सकता है। यह दक्षेस (सार्क) के आठ देशों से दोगुना है। सोलह देशों के इस संगठन का नाम जन-दक्षेस है। दक्षेस सरकारों का संगठन है। पिछ्ले 7-8 साल से यह ठप्प पड़ा हुआ है।



